उत्तर प्रदेश के कस्तूरबा विद्यालयों से हटाए जाएंगे सभी पुरुष स्टाफ

चर्चा में क्यों?

27 अप्रैल, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में प्रदेशभर में संचालित 746 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कार्यरत सभी पुरुष स्टाफ को हटाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश स्कूली शिक्षा महानिदेशक और समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक विजय किरन आनंद ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर शैक्षणिक/शिक्षणेत्तर पुरुष कार्मिक का नवीनीकरण न करने का आदेश दिया है।
- उत्तर प्रदेश स्कूली शिक्षा का यह कदम कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में आवासीय सुविधा के साथ कक्षा छह से आठ तक की शिक्षा ग्रहण कर रहीं छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत लिया गया है।
- ज्ञातव्य है कि शिक्षा मंत्रालय में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के संयुक्त सचिव ने 12 अक्टूबर, 2022 को पत्र लिखकर कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में सभी पदों पर महिला कार्मिकों की ही नियुक्ति किए जाने के निर्देश दिए थे। इस क्रम में 2023-24 शैक्षणिक सत्र में पुरुष स्टाफ का नवीनीकरण न करने और रिक्त हो रहे पदों पर सिर्फ महिलाओं को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।
- कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में वार्डेन से लेकर चौकीदार तक सभी कार्मिकों को संविदा पर रखा जाता है। राज्य में कानपुर नगर और औरैया ज़िलों को छोड़कर सभी जिलों के प्रत्येक विकासखंड में एक-एक कस्तूरबा विद्यालय संचालित है।
- कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में केवल महिला कार्मिकों के नवीनीकरण के आदेश से एक हज़ार से अधिक पुरुष स्टाफ के प्रभावित होने का अंदेशा है।
- प्रदेशभर के 746 विद्यालयों में अधिकांश लेखाकार और चौकीदार पुरुष हैं। कुछ जगहों पर शिक्षक भी पुरुष हैं। ऐसे में प्रत्येक स्कूल पर दो पुरुष कार्मिक का भी अनुमान लगा लें तो डेढ़ हज़ार के आसपास स्टाफ प्रभावित होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/all-male-staff-will-be-removed-from-kasturba-schools-in-uttar-pradesh